पाठ 3

वीरों का कैसा हो वसंत

(प्रस्तुत कविता में वसंत के माध्यम से वीरों के पराक्रम का वर्णन किया गया हैं।)

वीरों का कैसा हो वसंत ?

आ रही हिमाचल से पुकार,

है उदधि गरजता बार-बार,

प्राची, पश्चिम, भू, नभ अपार

सब पूछ रहे दिग् दिगन्त,

वीरों का कैसा हो वसंत ?

फूली सरसों ने दिया रंग,

मधु लेकर आ पहुँचा अनंग,

वसु-वसुधा पुलकित अंग-अंग,

हैं वीर वेश में किन्तु कंत,

वीरों का कैसा हो वसंत ?

भर रही कोकिला इधर तान,

मारू बाजे पर उधर-गान,

है रंग और रण का विधान,

मिलने आये हैं आदि-अन्त,

वीरों का कैसा हो वसंत ?

गलबाँहे हों, या हो कृपाण,

चल चितवन हो या धनुष-बाण,

हो रस-विलास या दलित-त्राण,

अब यही समस्या है दुरन्त,

वीरों का कैसा हो वसंत ?

कह दे अतीत अब मौन त्याग,

लंके, तुझमें क्यों लगी आग,

ऐ कुरूक्षेत्र! अब जाग, जाग

बतला अपने अनुभव अनन्त,

वीरों का कैसा हो वसंत ?

हल्दी-घाटी का शिला-खंड,

ऐ दुर्ग! सिंह-गढ़ के प्रचण्ड,

राणा नाना का कर घमण्ड

दो जगा आज स्मृतियाँ ज्वलंत,

वीरों का कैसा हो वसंत ?

भूषण अथवा कवि चन्द नहीं,

बिजली भर दे वह छन्द नहीं,

है कमल बँधी स्वच्छन्द नहीं,

फिर हमें बतावे कौन? हन्त!

वीरों का कैसा हो वसंत ?

-सुभद्रा कुमारी चौहान

सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त 1904 ई0 को इलाहाबाद के निहालपुर नामक ग्राम में हुआ था। सुभद्रा कुमारी चौहान को स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने वाली प्रथम सत्याग्रही होने का गौरव प्राप्त है | 'मुकुल' इनकी कालजयी रचना है। साहित्य के क्षेत्र में इन्हें प्रतिष्ठित 'सेक्सरिया पुरस्कार' मिला है। इन्होंने दो बार मध्य प्रदेश विधान सभा सदस्य के रूप में भी अपना राजनैतिक योगदान दिया। 'बिखरे मोती', 'उन्मादिनी', 'सीधे-सादे चित्र', 'त्रिधारा' आपकी प्रमुख कृतियाँ हैं। इनका निधन 15 फरवरी 1948 को हुआ

शब्दार्थ

उदधि = समुद्र। **प्राची** = पूर्व दिशा। **दिगन्त** = दिशा का छोर। **अनंग** = कामदेव। **वसुधा** = पृथ्वी। **पुलकित** = रोमांचित। **कन्त** = पति, प्रिय। **मारू** = एक बाजा और राग जो युद्ध के समय गाया और बजाया जाता है। **गलबाँहें** = गले में बाँहों का हार। **कृपाण** = तलवार।

ज्वलंत = प्रकाशवान। **प्रचण्ड** = बहुत अधिक तीव्र। **दुरन्त** = अति गम्भीर। **हन्त** = खेद या शोक सूचक। **स्वच्छन्द**= स्वाधीन। **चितवन**=दृष्टि, कटाक्ष।

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

1-अपने आस-पास किसी सैनिक से मिलकर उनके कार्य क्षेत्र के बारे में जानकारी प्राप्त कर उसे अपने शब्दों में लिखिए।

2-1857 की क्रान्ति के मुख्य केन्द्र दिल्ली, मेरठ, झाँसी, कानपुर, और लखनऊ आदि थे। इन स्थलों पर स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करने वालों के नामों की सूची बनाइए।

3-इस कविता को कई गायकों ने अपना स्वर दिया है। अपने शिक्षक अथवा बड़ों के मोबाइल

फोन पर इस कविता को सुनकर लयबद्धता के साथ याद कीजिए तथा विद्यालय के किसी कार्यक्रम में प्रस्तुत कीजिए।

विचार और कल्पना

1- एक वीर सैनिक सारी सुख-सुविधा का त्यागकर देश की रक्षा में सन्नद्ध रहता है। दुर्गम बर्फ से घिरी पहाड़ी पर स्थित किसी सैनिक को किन कठिनाइयाँ का सामना करना पड़ता होगा ? सोचकर लिखिए।

2-सेना के तीन अंग हैं- थल सेना, वायु सेना, जल सेना। सैनिक के रूप में सेना के किस अंग में आप भाग लेना चाहंेगे और क्यों ?

कविता से

1-‘वीरों का कैसा हो वसंत ?’ कविता में कौन-कौन पूछ रहा है?

2-वीरों के लिए वसंत के रंग और रण का क्या स्वरूप है?

3.निम्नलिखित पंक्तियों के आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) सब पूछ रहे हैं दिग्-दिगन्त,

वीरों का कैसा हो वसंत?

(ख) है रंग और रण का विधान,

मिलने आये हैं आदि-अन्त,

(ग) बिजली भर दे वह छन्द नहीं,

है कलम बंधी स्वच्छन्द नहीं,

4. कविता में कवि अतीत से मौन त्यागने के लिए क्यों कह रहे हैं ?

भाषा की बात

1-निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए-

भू, नभ, पुष्प, मधु, बिजली

2-दो या दो से अधिक शब्दों का संक्षेपीकरण करके एक नया सार्थक शब्द बनाने की प्रक्रिया

समास कहलाती है। समास की विधि द्वारा बने शब्द को समस्त पद कहते हैं।

जैसे- कौरवों का क्षेत्र=कुरुक्षेत्र

निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करें-

शिलाखण्ड, सिंहगढ़, हिमाचल, गलबाँहें, धनुषबाण।

3-दिये गये मुहावरों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

दाँत खट्टे करना, ईंट से ईंट बजाना, छक्के छुड़ाना, अंगारों पर चलना, खेत रह जाना।

शिक्षण संकेत

पाठ में कुछ ऐतिहासिक स्थलों, कवियों एवं ग्रन्थों का उल्लेख हुआ है, उनके बारे में बच्चों को बताएँ।